राष्ट्रीय स्तर पर इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (आई0आई0ए0) के सदस्यों द्वारा चुने गये 21 केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने मुझे इस महान एसोसिएशन का प्रेसीडेन्ट चुनकर जहॉ एक ओर मुझे गर्व की अनुभूति प्रदान की है वही एक बड़ा उत्तरदायित्व भी सौंपा है। इस उत्तरदायित्व को मैं अपने लिए सुनहरे मौके के रूप में देखता हूॅ क्योंकि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर जिसके लिये आई0आई0ए0 समर्पित है, मै अभी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कार्य करना बाकी है।

यह सर्वविदित है कि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर का हमारे देश और प्रदेशों के विकास के लिए कृषि सेक्टर के समतुल्य योगदान है वह चाहे रोजगार सृजन हो अथवा जी0डी0पी0 में भागीदारी हो। हमारी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरों पर सरकारे कृषि सेक्टर और किसानों के लिए तो जागरूक है परन्तु एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए उतनी जागरूक नही है। अतः आई0आई0ए0 में मेरा एवं मेरे सहयोगियों का सबसे बड़ा लक्ष्य होगा कि हम देश में अन्य एम0एस0एम0ई0 एसोसिएशनो के साथ मिलकर सरकार को एम0एस0एम0ई0 सेक्टर पर भी उतना ही ध्यान दिलाने का प्रयास करे जितना कृषि क्षेत्र को मिल रहा है।

आई0आई0ए0 अपनी स्थापना को 33वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस यात्रा में आज तक इस एसोसिएशन को 15 पूर्व अध्यक्षों ने न केवल अपनी सेवॉए प्रदान की है अपितु एक सही दिशा में निरन्तरता भी प्रदान की है। वर्ष 1985 में केवल 7 सदस्यों से प्रारम्भ इस एसोसिशन में आज 7000 एम0एस0एम0ई0 सदस्य है। मुझे खुशी है कि मुझे इन सभी 15 पूर्व अध्यक्षों का आर्शीवाद प्राप्त है। मैं समय–समय पर इनका मार्गदर्शन प्राप्त कर इनके द्वारा आई0आई0ए0 में जो एक सुदृढ़ एवं स्वच्छ परम्परा स्थापित की गई है उसको अपने साथियो और आई0आई0ए0 के सदस्यों के सहयोग से आगे बढ़ाने का भरपूर प्रयत्न करूॅगा।

देश और दुनिया में बहुत तेजी से परिवर्तन हो रहे है। कोई भी उद्योग अथवा व्यवसाय यदि इन परिवर्तनों के लिए सजग नही होगा तो पिछड़ जाएगा। अतः मेरा और आई0आई0ए0 के सभी पदाधिकारियों का यह प्रयास रहेगा कि हम खासतौर पर अपने सदस्यों तथा सामान्यतः सम्पूर्ण एम0एस0एम0ई0 उद्यमियों के लिए इस दिशा में कार्यक्रम और योजनाए लगातार चलाते रहें।

सरकार पर्यावरण के प्रति बहुत संवेदनशील है और इस दिशा में कड़े कानून एवं निर्देश भी जारी किये गये है और आने वाले समय में और भी सख्ती होने की सम्भावनॉए है। मेरा मानना है कि पर्यावरण के लिए केवल सरकार का ही संवेदन होना पर्याप्त नही है। हम सभी देशवासियों को व्यक्तिगत रूप से और आई0आई0ए0 जैसी संस्थाओं में सामूहिक रूप से पर्यावरण की रक्षा का उत्तरदायित्व है। इसलिए आने वाले एक वर्ष में

आई0आई0ए0 की यह भी एक प्रमुख गतिविधि होगी जिसकी शुरूआत कर दी गयी है और भूजल उपयोग पर कार्य प्रारम्भ है।

आज एम0एस0एम0ई0 उद्यमों में दक्ष कर्मकारों एवं कर्मचारियों की अनुप्लब्धता बहुत बड़ी समस्या है जिसके कारण उद्यमो की उत्पादकता और गुणवत्ता प्रभावित है। आई0आई0ए0 सरकार द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयत्नों में अपनी भागीदारी करेगा।

लघु उद्यमियों के लिए अपनी समस्याओं के समाधान करवाना अत्यन्त कठिन होता है क्योंकि लघु उद्यमी को सभी कार्य अकेले ही करने पड़ते है। अतः आई0आई0ए0 में हम अपने सदस्यों की समस्याओं चाहे वे सामुहिक हो अथवा एक उद्यम की हो, का समाधान कराने में सहयोग करते आ रहे है। इस सवेा को मैं अपने साथियों के साथ मिलकर और सुदृढ़ करूॅगा जिससे हमारे सदस्यों की समस्यायें कम से कम समय में हल हो सकें।

उपरोक्त कार्य एवं अन्य सभी कार्य जो हम आई0आई0ए0 में करेगे वे संगठित हो कर करेगे जिसके लिए एक सुदृढ संगठनात्मक ढॉचे की आवश्यकता होती है। हमारा आई0आई0ए0 में जहॉ एक ओर अपनी सेवाओं और सेवाक्षेत्र के विस्तार पर पूर्ण ध्यान होगा वही इन सेवाओं को सुव्यवस्थिति तरीके से सदस्यो तक पहुॅचाने के लिए मैं आई0आई0ए0 के संगठनात्मक ढॉचे को और भी सुदृढ़ करूॅगा।